कारी कामरी रे

कारी कामरी रे, मोको प्यारी लागी तूं।
सब सिनगार को सोभा देवै, मेरा दिल बांध्या तुझसों।।

तूं नाम निरगुन कहावहीं, सब सरगुन के सिरे।
सब नंग मोती तेरे तले, कोई नाहीं तुझ परे।।

कामरी पेहेरी बृजवधू, और सुन्दरवर स्याम।
भी पेहेरी महंमद ने, और पेहेरी इमाम।।

मोल नहीं इन कामरी को, याको ले न सके कोए।
मोमिन कहे सो लेवहीं, जो रूह अर्स की होए।।

रूह अल्ला पेहेरी अंदर, हुई नहीं जाहेर।
दुनियां हिरदे अंधली, सो देखे नजर बाहेर।।

हमारे ताले मिने, लिखे अल्ला कलाम।
महामत कहे सब दुनी को, प्यारी होसी तमाम।।